मन की भावनाओं को व्यक्त करता है भारतीय शास्त्रीय संगीत

(स्पिक मैके परिवार ने किया दादी जी का सम्मान)

शांतिवन। विद्या की अन्य भाषाओं में गुरु शिष्य की परंपरा समाप्त हो गई है, परंतु शास्त्रीय संगीत में है। शास्त्रीय संगीत केवल संगीत नहीं है यह व्यक्तित्व, संस्कृति, विचार एवं व्यवहार को परिलक्षित करने का माध्यम भी है।

उक्त उद्‌गार पद्म विभूषण से विभूषित प्रसिद्ध संतुर वादक पंडित शिव कुमार शर्मा ने ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन के डायमण्ड हॉल में 'स्पिक मैके' द्वारा आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए व्यक्त की। उन्होंने कहा कि हमें अपनी गौरवशाली संस्कृति का एहसास कराने के लिए ही 'स्पिक मैक' प्रारंभ किया गया है। यह पूरे भारतवर्ष के स्कूल व कॉलेजों में जाकर आयोजित किया जाता है। उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि भारतीय शास्त्रीय संगीत मन की भावनाओं को व्यक्त करता है जबकि पाश्चात्य संगीत केवल मनोरंजन करता है। उन्होंने शास्त्रीय संगीत के महत्व को बताते हुए उसको अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने अपनी प्रस्तुति में संतूर गायन की सभी विद्याओं का सजीव प्रस्तुतिकरण किया। जिससे देश-विदेश से आये हुए कलाप्रेमी मंत्रमुग्ध हो गये। और उनकी मुक्तकंठ से प्रशंसा की। तबले पर उनका साथ राम कुमार मिश्रा ने दिया। इस आयोजन में उन्होंने स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को अपने स्टेज के पास बिठाया और उन्हें भारतीय संस्कृति कला की जानकारी दी।

शांतिवन। 'स्पिक मैके' परिवार की ओर से दादी जी को सम्मानित करते हुए प्रसिद्ध संतुर वादक पंडित शिव कुमार शर्मा।

संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने कहा कि जब सतयुग का समय था तब संगीत और चित्रकला के द्वारा ही शिक्षा दी जाती थी। इसलिए आज भी संगीत का उतना ही महत्व है जितना पहले था। संगीत तो हमारी आदि संस्कृति की देन है। राजयोग के अभ्यास के द्वारा हम इस विद्या को और निखार सकते हैं।

पंडित शिव कुमार शर्मा ने संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी को 'स्पिक मैके' परिवार की ओर से 'स्मृति-चिन्ह' व 'प्रशस्ति-पत्र' भेंटकर सम्मानित किया।

आध्यात्मिकता से ही होगा समग्र भारत का विकास - डॉ.फारूख अब्दुला

(वृक्षारोपण से हुआ शैक्षणिक अभियान की शुरूआत)

नई दिल्ली। ब्रह्माकुमारीज़ के शिक्षा प्रभाग द्वारा 'द्वितीय अखिल भारतीय शैक्षिक अभियान' एवं 'मन को स्वच्छ और धरती को हरा-भरा बनाएं' योजना का शुभारंभ दिल्ली के तलकटोरा इण्डोर स्टेडियम से केंद्रीय मंत्री डॉ.फारूक अब्दुल्ला ने वृक्षारोपण कर किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि धर्म के बिना हम आगे नहीं बढ़ सकते हैं। तालीम अर्थात् हम गलत और सही को समझ सकें। तरक्की का फायदा तब तक हमें नहीं मिल सकता है जब तक हम अपने अंदर के इंसान को ठीक से न पहचाने। उन्होंने कहा कि मन स्वच्छ एवं धरती की हरियाली न हो तो सम्पूर्ण स्वास्थ्य एवं प्रगति की कल्पना करना असंभव है। शिक्षा वही है जो मानव को आपसी भेदभाव मिटाकर सर्व के साथ मिलकर जीवन जीने की राह दिखाये। उन्होंने कहा कि जब हमारा मन साफ होगा, सर्व को साथ लेकर चलने की भावना होगी तभी देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यहां दी जा रही शिक्षा से जीवन में मूल्यों का विकास होगा व व्यक्ति की सोच में परिवर्तन आयेगा।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष डॉ.योगानंद शास्त्री ने कहा कि पहले शिक्षा का एकमात्र केंद्र भारत ही था। जिससे लोग यहां सदियों से खींचे चले आते हैं और यहां से अध्यात्म व चरित्र की शिक्षा ग्रहण कर अपने देश में इसका प्रचार-प्रसार करते थे। लेकिन वर्तमान समय यह शिक्षा हमारे देश से लुप्त होने की स्थिति में पहुंच गयी है। उन्होंने संस्था द्वारा चलाये जा रहे अभियान की सराहना करते हुए कहा कि यह अभियान शिक्षा प्रणाली में नैतिकता और आध्यात्मिकता के समन्वय से शिक्षा क्षेत्र में एक नई क्रांति का शुभारंभ करेगा।

अभियान संयोजक डॉ.आर.पी.गुप्ता ने अभियान का उद्देश्य बताते हुए कहा कि यह अभियान विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के जीवन में मूल्यों और आध्यात्मिकता के जागरूकता लायेगा और इसकी धारणा कराकर श्रेष्ठ राष्ट्र का निर्माण करेगा। इस अभियान के अंतर्गत देश भर के स्कूलों, कॉलेजों एवं विश्वविद्यालयों में मूल्य आधारित संगोष्ठियों, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और राजयोग मेडिटेशन के विभिन्न सत्रों का आयोजन किया जायेगा।

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री फारूख अब्दुला वृक्षा रोपण कर शैक्षणिक अभियान की शुरुआत करते हुए।

प्यूरिटी पत्रिका के संपादक ब्र.कु.बृजमोहन ने कहा कि जीवन में सत्य और अहिंसा को धारण करने से जीवन में मूल्यों की वृद्धि होती है। हिंसा का अर्थ सिर्फ मार-पीट ही नहीं है बल्कि काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार आदि विकार भी हिंसा का ही रूप है। इसे अध्यात्म की शिक्षा द्वारा ही दूर किया जा सकता है व व्यक्ति को मूल्यनिष्ठ व कर्त्तव्यनिष्ठ बनाया जा सकता है। शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु.मृत्युंजय ने कहा कि आज समाज में मूल्यों की कमी हो जाने के कारण आए दिन हिंसा की घटनाएं घटित होती रहती हैं। इसलिए बच्चों को प्रारंभ से मूल्यनिष्ठ शिक्षा देकर उन्हें सभ्य नागरिक बनाया जा सकता है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर धनबाद में एक लाख वृक्षारोपण का लक्ष्य रखा गया है जो कि सरकार के सहयोग से संपन्न होगा। राजयोग शिक्षिका ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि आगामी भारत स्वर्ग कहलाएगा जहाँ मनुष्यों में मूल्य एवं आध्यात्मिकता होगी। सभी एक-दूसरे के प्रति सम्मानपूर्वक व्यवहार करेंगे और शोषण एवं भ्रष्टाचारमुक्त भारत बनेगा। इस स्वप्न को साकार करने में ईश्वरीय ज्ञान एवं राजयोग एक सफल एवं शक्तिशाली माध्यम है।

इस कार्यक्रम को सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के अध्यक्ष डॉ.भास्कर राव, शेमरॉक एजुकेशनल सोसाइटी के निदेशक अमोल अरोड़ा, दिल्ली के श्रम मंत्री रमाकांत गोस्वामी, कुलपति प्रो.डी.के.बन्दोपाध्याय, सांसद महाबल मिश्रा, कुलपति एल.एस.झा, तथा ब्र.कु.पुष्पा ने भी सम्बोधित किया।

सदस्यता शुल्क

भारत – वार्षिक 170 रूपये,
तीन वर्ष 510 रूपये
आजीवन 4000 रूपये
विदेश – 2000 *रूपये (वार्षिक)*
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीआर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट माउण्ट आबू) द्वारा भेजें ।

पत्र-व्यवहार

सम्पादक : ब्र.कु.गंगाधर
ओम् शान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन, तलहटी
पोस्ट बॉक्स नं. - 5, आबू रोड (राज.) 307510
Enquiry for Membership and complain (m)-09414006096
(M)- 9414154344, E-mail : mediabkm@gmail.com,
omshantimedia@bkivv.org, webside:www.omshantimedia.info

प्रति

RNI NO RAJHN/2000/721, NEWS PAPER TO POST CONCSSIONAL REGISTRATION NO. RJ/SIROHI/9623/12-14, 12TH TO 14 TH, 22 ND TO 24TH POSTED TO SHANTIVAN POST OFFICE
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, सलाहाकार संपादक: कमल दीक्षित, प्रकाशक: ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज् मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ.) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट साल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।